TO BE PUBLISHED IN PART-II SECTION 3(ii) OF THE GAZETTE OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF FINANCE <u>DEPARTMENT OF REVENUE</u> CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NEW DELHI, THE 30 7 1999

NOTIFICATION (INCOME TAX)

S.O. No. In exercise of the powers conferred by the sub-clause (iv) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Federation of Indian Expert Organisation, New Delhi" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1998-99 to 2000-2001 subject to the following conditions, namely:

- (iv) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (v) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above other wise than in any one or more of the forms or modes specified in subsection (5) of Section 11;
- (vi) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

(SAMAR BHADRA)
UNDER SECRETARY TO THE GOVERNMENT OF INDIA

NOTIFICATION NO. 11017

(F.NO. 197/86/99-TTA.I)

To

The Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri Industrial Area, (Near Rajouri Garden), New Delhi.

भारत के राजवन के भाव II, सण्ड 3हाँ हैं। प्रकाननार्थ

भारत सरकार रिवहन मंत्रालय राजस्त विभाग

नई दिस्ती, दिसांक २०१७ विष

ाह्याह्य है हिन्दा स्थाद है

कार (1978 के उपकार आधान अधिनयम, 1961 है 1961 का नहीं की धारा 10 के छण्ड के उपकार के उपकार है 178 सारा प्रदेश मिलता का प्रमोग करते हूंए केन्द्रीय सरकार प्रमाह स्थान में के उपकार है 178 सारा प्रदेश मिलता का प्रमोग करते हूंए केन्द्रीय सरकार प्रमाह स्थान में के उपकार प्रमाह स्थान में के उपकार के अधिक कार्य कार्य कार्य के अधिक कार्य कार्य कार्य कार्य के अधिक कार्य के अधिक कार्य कार्य कार्य के अधिक कार्य क

है। है कर-तिमाति स्वीति असमी आत्म का इस्तेमात अध्या उसकी आम का इस्तेमाल करने के तिल्ह उसका संवसन पूर्णतमा तथा अनन्यतमा उन उस्तेषमी के तिल्ह करेगा, विनके तिल्ह इसकी स्थापना की गई है।

हिन्हि कर निर्धारिती जार उच्लिधित कर निर्धारण वर्षों से संगते पूर्ववंती वर्षों के विभिन्नेदंदर किसी किसी भी भी भी भी के दौरान धारा 11 की उपधारा \$5\$ में विभिन्नेदंदर किसी एक अध्या रुक से अधिक हंग अध्या तरीकों से निम्न तरीकों से उसकी निर्धा के किसी है किया, जिसा हिरात, वर्तिवर अध्या किसी अन्य वस्त, के रूप में प्राप्त तथा किस हिन्द में प्राप्त तथा किस हिन्द में प्राप्त करें किसी किसी में रिस्ट में रिस्ट में किसी किसी में किसी में रिस्ट में किसी में किसी में किसी में रिस्ट में किसी मे

्ति। पट अधित्ताना जिसी ऐसी अस्य के संवंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ हो, जब तक कि ऐसा कारोबार जबन कर-निधारिती के उद्देशयों की प्राप्ति के लिए प्रासंभिक नहीं हो तथा ऐते कारोड के संवंध में अलग से तैसा-प्रितकार नहीं एसी जाती हों।

Defection of the Distriction

सम्यम् १समर गृहे असर सिवत, मारत सरकार

हैपाए रांग 197/86/99'- आर-क-चि-<u>म</u>ह

aur M,

| प्राप्तकः | भारत रायकार पुरुषालयः | पृरोग | रोठः गायाण्री कोसोपिक हेवः